अथ श्री गणेश वंदना

।।प्रार्थना।।

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते।।
लम्बोदर नमस्तुभ्यं सततं मोदकप्रिय। निर्विविघ्नं कुरु मे देव
सर्वकार्येषु सर्वदा।। अनया पूजया सिद्धि-बुद्धि-सहितः
श्रीमहागणपतिः साङ्गः परिवारः प्रीयताम्।।
श्रीविघ्नराजप्रसादात्कर्तव्यामुककर्मनिर्विघ्नसमाप्तिश्चास्तु।

भा.कृ.अ.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली–110012 (भारत)
ICAR - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
(A Deemed to be University under Section 3 of UGC Act, 1956)
New Delhi-110012 (INDIA)

डॉ. अशोक कुमार सिंह
निदेशक
Dr. Ashok Kumar Singh
DIRECTOR

Phones : +91 11 2584 2367, 2584 3375
Fax : +91 11 2584 6420
Email : director@iari.res.in
Website : www.iari.res.in

संदेश

यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि जल प्रौद्योगिकी केंद्र, भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा जल से सम्बन्धित एक गृह पत्रिका **"जल सुरक्षा"** का प्रवेशांक विश्व जल दिवस के शुभ अवसर पर प्रकाशित हो रहा है। समकालीन परिपेक्ष्य में वैश्विक तापमान वृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन के कारण जल संकट की चुनौतियों को समझने तथा समाधान के विकल्प खोजने के लिए यह एक सराहनीय कदम है।

भविष्य में होने वाले जल संकट को देखते हुए कृषि में उन्नत जल प्रबंधन अति आवश्यक है। एक-एक बूंद की महत्ता (पर ड्राप मोर क्रॉप) को देखते हुए सटीक सिंचाई का कृषि में महत्त्वपूर्ण योगदान हो सकता है जिससे न केवल जल दक्षता में वृद्धि होगी अपितु जल की बचत कर अधिक से अधिक क्षेत्र में फ़सलोत्पादन किया जा सकता है। साथ ही निम्न गुणवत्ता वाले या अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग के विकल्प भी खोजने की महती आवश्यकता है।

यह पत्रिका नवोन्मेषी विचार, तकनीकियों के उपयोग, सूक्ष्म सिंचाई, सौर ऊर्जा के स्रोत का प्रयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पाठकों और किसानों को अवगत कर जन जागरण फ़ैलाने का काम करेगी। साथ ही इस पत्रिका में किसानों और स्कूली बच्चो के पत्र, सुझाव, पेंटिंग तथा कविता को शामिल कर उनके विचार और संदेश जन मानस तक पहुँचाने का काम करेगी।

यह पत्रिका राजभाषा हिंदी में होने के कारण पूरे भारत में अपनी बात व्यक्त करने में सफल होगी और हिंदी के प्रचार-प्रसार में भूमिका निभाएगी।

इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए मैं इससे जुड़े सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और इसके सफलता की कामना करता हूँ।

स्थान : नई -दिल्ली
दिनांक: 15-03-2024

(अशोक कुमार सिंह)

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
नई दिल्ली-110 012 (भारत)
ICAR - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
(A Deemed to be University Under Section 3 of UGC Act, 1956)
NEW DELHI-110 012 (India)

डॉ. अनुपमा सिंह
संयुक्त निदेशक (शिक्षा) एवं अधिष्ठाता
Dr. Anupama Singh
Joint Director (Edu.) & Dean

संदेश

यह बहुत ही हर्ष की बात है कि विश्व जल दिवस के शुभ अवसर पर **"जल सुरक्षा"** नामक एक महत्वपूर्ण पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है। जनसँख्या वृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन के कारण लगभग प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता में कमी आ रही है और भविष्य में जल संकट की गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। भारत में उपलब्ध जल का लगभग 80% हिस्सा कृषि क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाता है। हालाँकि अभी भी कृषि योग्य भूमि का केवल 50% क्षेत्र ही सिंचित है और ज्यादातर हिस्से खुली सिंचाई पर आधारित होने के कारण इन की जल उपयोग दक्षता काफी कम (45-50%) है। ऐसे क्षेत्रों में जल उपयोग दक्षता बढ़ाने की अपार संभावनाएं है जिससे जल की बचत कर सिंचित क्षेत्र को बढ़ाया जा सकता है। आधुनिक एवं उपयुक्त तकनीकी का ज्ञान और उसके उपयोग से उचित जल का उन्नत प्रबंधन कर इस लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है।

मुझे पूरी आशा है कि इस पत्रिका के माध्यम से उचित जल प्रबंधन के सम्यक ज्ञान और तकनीकियों की सूचना देश भर के किसानों तक पहुँच पाएगी साथ ही किसानों एवं स्कूली बच्चों के विचारों को भी पढ़ने और समझने का अवसर मिलेगा।

मै इस पत्रिका से जुड़े लोगों के प्रयास की सराहना करते हुए पूरे जल प्रौद्योगिकी केंद्र को इस कार्य के लिए बधाई देती हूँ तथा इस पत्रिका की सफलता की कामना करती हूँ।

अनुपमा 20/3/24

स्थान : नई -दिल्ली
दिनांक: 20-03-2024

(अनुपमा सिंह)
संयुक्त-निदेशक(शिक्षा) एवं अधिष्ठाता

दूरभाष Tel.: +91-11-25843382 (O): +91-8920154670
ईमेल Email: dean@iari.res.in (Official), imanupamasingh22@gmail.com, dean.iari@icar.gov.in

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली -110012
ICAR - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
NEW DELHI – 110012

डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी
संयुक्त निदेशक (अनुसंधान)
Dr. Viswanathan Chinnusamy
Joint Director (Research)

Phone (off.) : 011-25843379
E-mail: jd_research@iari.res.in; jointdirector.res@gmail.com; v.chinnusamy@icar.gov.in

संदेश

मुझे अत्यंत हर्ष है कि विश्व जल दिवस के अवसर पर **"जल सुरक्षा"** नामक पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है। जलवायु परिवर्तन से जल संसाधन पर होने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए कृषि में उन्नत जल प्रबंधन तकनीकी अति आवश्यक है।जल के मितव्ययितापूर्ण उपयोग के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु हमारे वैज्ञानिकों एवं किसानों को 'पर ड्राप मोर क्रॉप' हेतु मिल जुल-कर काम करना होगा। आधुनिक तकनीकियों के प्रयोग से जल दक्षता में वृद्धि करने के लक्ष्य को पूरा करना होगा तथा निम्न गुणवत्ता वाले जल को प्रयोग में लाने की तकनीकियों को उपयोग में लाना होगा, साथ ही अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग पर भी जोर देना होगा। ऐसी आशा की जाती है कि इस पत्रिका के माध्यम से आधुनिक और नई तकनीकों का ज्ञान जन-जन तक पहुंचेगी और लोग इसका लाभ उठा पाएंगे।

इस पत्रिका में विषय-वस्तु के विशेषज्ञ के ज्ञान के साथ साथ किसानों, बच्चो तथा अन्य नागरिकों के भी अनुभव, लेख, चित्र और कविताओं को भी समाहित किया जा रहा है जो कि बहुत ही सराहनीय एवं समावेशी पहल है। पत्रिका **"जल सुरक्षा"** के प्रवेशांक के प्रकाशन पर मैं जल प्रौद्योगिकी केंद्र के सभी लोगो को बधाई देता हूँ तथा इसकी सफलता की कामना करता हूँ।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 19-03-2024

(विश्वनाथन चिन्नुसामी)
संयुक्त निदेशक (अनुसंधान)

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
नई दिल्ली-110 012 (भारत)
ICAR - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
(A Deemed to be University Under Section 3 of UGC Act, 1956)
NEW DELHI-110 012 (India)

डॉ. रवीन्द्र पडारिया
संयुक्त निदेशक (प्रसार)
Dr. Rabindra Padaria
Joint Director (Extension)

Phone : 011-25842387 (O)
Mob. : 9968966766
E-mail : jd_extn@iari.res.in

संदेश

मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि विश्व जल दिवस के शुभ अवसर पर **"जल सुरक्षा"** नामक एक महत्वपूर्ण पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। कृषि में जल संसाधन की महत्ता बहुत अधिक है। अभी भी बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ जल के अभाव में कृषि-कार्य प्रभावशाली रूप से नहीं हो पा रहा है। हमारे देश का लगभग आधा कृषि क्षेत्र अभी भी वर्षा- आधारित है, ऐसे में फ़सल की उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय दोगुनी करने के लिए जल दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ आधुनिक तकनीकियों के सम्यक प्रयोग की बहुत आवश्यकता है।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझते हुए वर्षा जल को संरक्षित कर उसका सही मात्रा और उपयुक्त समय पर प्रयोग से फसलों को पर्याप्त जल प्रदान किया जा सकता है। हमारे किसान भाई आधुनिक एवं उपयुक्त तकनीकी और उचित परामर्श के साथ जल का उन्नत प्रबंधन कर सकते हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका के माध्यम से जल प्रबंधन की तकनीकियों का सम्यक ज्ञान, विशेषज्ञों की राय, किसानों के संवाद तथा स्कूली बच्चों के विचारों को पढ़ने और साझा करने का मौका मिलेगा जो कि एक सराहनीय पहल होगी और इस तरह की लाभप्रद जानकारी हर गाँव, हर किसान तक पहुंच पायगी।

मैं जल प्रौद्योगिकी केंद्र के द्वारा इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इस पत्रिका की सफलता की कामना करता हूँ। ऐसा मेरा विश्वास है कि यह पत्रिका पूरे भारतवर्ष में जल संरक्षण हेतु जन चेतना फैलाएगी।

स्थान : नई -दिल्ली
दिनांक: 15-03-2024

(रवीन्द्र नाथ पडारिया)
संयुक्त-निदेशक, कृषि प्रसार